an>

## Title: Regarding making Urea available in adequate quantity to Farmers in Bihar

**श्रीमती रमा देवी (शिवहर):** मैं सरकार का ध्यान मेरे क्षेत्र अंतर्गत शिवहर, सीतामढ़ी एवं पूर्वी चम्पारण जिले सहित बिहार के किसानों को हो रही यूरिया खाद की कमी की ओर आकृष्ट कराना चाहती हूँ । हम सभी जानते है कि खरीफ सीजन में किसानों को सबसे अधिक आवश्यकता यूरिया खाद की होती है । परन्तु, बिहार के किसान अभी खाद एवं यूरिया की किल्लत से जूझ रहे है तथा उन्हें सरकार द्वारा निर्धारित दर पर खाद नही मिल पा रहा है । सरकार द्वारा किसानों के लिए डीएपी का रेट 266 रूपये 50 पैसे प्रति बोरी की दर से निर्धारित किया गया है परन्तु, यह किसानों को 500 से लेकर 600 रूपये तक बड़ी मुश्किल से मिल पा रही है । इसका एक कारण थोक विक्रेताओं द्वारा यूरिया खाद की कथित रूप से जमाखोरी और कालाबाजारी है । जो यूरिया खुदरा दुकानदारों को 251 से 255 रूपये में दुकान तक पहुंचाकर मिलना चाहिए वह उन्हें भी कहीं ज्यादा महँगे दामों पर मिल रहा है तथा जो खुदरा दुकानदार सरकार द्वारा निर्धारित दर पर यूरिया खरीदना चाहते है उनको थोक दुकनदारों द्वारा आपूर्ति नहीं की जाती है । इसके अलावा भारत नेपाल बॉर्डर के कई इलाकों से खाद की तस्करी का मामला भी सामने आता रहता है और इन सब में कथित रूप से अधिकारियों की भी मिलीभगत रहती है । इन सब कारणों से खुदरा दुकानों में या तो खाद उपलब्ध नहीं है और जहाँ है भी तो वह किसानों को महँगे दामों पर मिल रहा है । इससे खरीफ फसलों की खेती प्रभावित हो रही है । सरकार किसानों के हित में कई कल्याणकारी योजनाएं चला रही है जिससे कि उनके दशा एवं दिशा में सुधार हो सके ।

अतः मेरा सरकार से अनुरोध होगा कि इस विषय को अपने संज्ञान में लेते हुये बिहार राज्य के किसानों के हित में पर्याप्त मात्रा में यूरिया खाद उपलब्ध

करायी जाये साथ ही इसके वितरण व्यवस्था में भी सुधार की जाये जिससे कि किसानों द्वारा किये जा रहे खरीफ फसलों की बुआई प्रभावित न हो ।